"निदेशक"

स्नातकोत्तर के प्रवेश बंद 1100 ने लिया दाखिला

कानपुर, जागरण संवाददाता : आईआईटी में एमटेक, एमएससी, एबीए व मास्टर्स आफ डिजाइन समेत अन्य स्नातकोत्तर कोर्स में दाखिले रविवार को खत्म हो गए। रिपोर्ट करने के दूसरे व अंतिम दिन तक 1100 छात्र प्रवेश लेकर अपने छात्रावास में शिफ्ट हो गए। इन छात्रों के लिए सोमवार को सभागार में ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित किया जाएगा।

इस साल विदेशों से भी कई छात्र छात्राएं आईआईटी में दाखिले के लिए पहुंचे। इसमें यूएई आबूधाबी की रहने वाली अंफीफा भी शामिल हैं। उन्होंने मास्टर्स आफ डिजाइन में प्रवेश लिया है। इसके अलावा स्नातक व स्नातकोत्तर के पाठ्यक्रम के लिए कुछ अन्य विदेशी छात्र छात्राओं को भी काउंसलिंग के लिए आमंत्रित किया गया था। इनमें से कुछ छात्र छात्राओं को आईआईटी मुंबई समेत दूसरे आईआईटी में दाखिला मिला था लेकिन उन्होंने भी रुचि नहीं दिखाई। बीटेक की काउंसलिंग का पांचवां राउंड शुरू हो चुका है। बीटेक के छात्रों के लिए इस बार

◆ एमटेक, एमएससी, एमबीए समेत अन्य स्नातकोत्तर कोर्स में दाखिले हुए खत्म

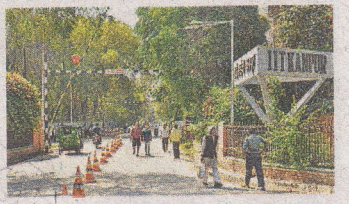

छठवें राउंड तक काउंसलिंग का आयोजन किया जा रहा है। एमटेक के बाद इनकी प्रवेश प्रक्रिया भी 20 जुलाई तक खत्म हो जाएगी। इस दिन बीटेक के छात्रों को रिपोर्ट करने के लिए बुलाया जाएगा। एमटेक के छात्रों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम सोमवार से आयोजित किए जाने के साथ ही इनकी कक्षाएं भी शुरू करवा दी जाएंगी। जबकि उसके बाद बीटेक के छात्रों की कक्षाएं 21 जुलाई से प्रारंभ होने की संभावना है।

दैनिक जागरण 18-07-2016

देश भर के 13 इंस्टीट्यूट गंगा किनारे उत्तराखंड से शिवपुर तक बसे 65 गांवों को ग्रामीणों की मदद से संवारेंगे, आईआईटी कानपुर ने पांच गांव चुने

गंगा सफाई को आईआईटी बनाएगा आदर्श गांव

कानपुर | गौरव श्रीवास्तव

आईआईटी, एनआईटी समेत देशभर के 13 इंस्टीट्यूट गंगा किनारे बसे 65 गांवों को उत्तराखंड से शिवपुर तक ग्रामीणों की मदद से आदर्श गांव बनाएंगे। प्रत्येक इंस्टीट्यूट पांच गांव चुन रहा है। आईआईटी कानपुर ने बिठूर किनारे और कल्याणपुर विकासखंड के पांच गांव चुनकर काम शुरू कर दिया है।

गांवों में ग्रामीणों का मल और गंदगी सीधे गंगा में जा रही है। इससे लगातार गंगा मैली हो रही है। गंगा में जा रही गंदगी को रोकने के लिए गांव वालों को जागरुक करके गांवों को आदर्श बनाने की कवायद शुरू हो गई है। आईआईटी कानपुर ने रमेलनगर, हिन्दूपुर, प्रतापपुर हरि, कटरी ख्यौरा व लुधवाखेड़ा गांव को गोद लिया है। वहां गंगा रिवर बेसिन अथारिटी के कोआर्डिनेटर प्रो. विनोद तारे और पीएचडी कर रहे डा.अभिषेक गौड़ के नेतृत्व में आईआईटी की टीम ने काम शुरू कर दिया है। रमेलनगर का सर्वे कर डाटा भी जुटा लिया है। तीन वर्ष में गांव वालों के सहयोग से पूरे गांवों को आदर्श बनाना है।

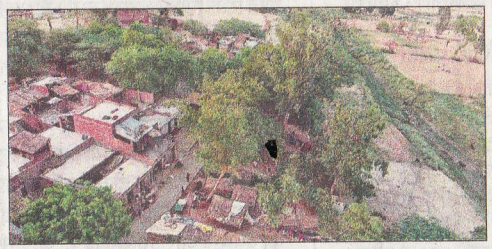

कटरी में बसे इस गांव की तस्वीर बदलने को आईआईटी ने किया है सर्वे कार्य।

सेनीटेशन से लेकर ड्रेनेज व्यवस्था तक होगी सटीक

आईआईटी की टीम ने प्रत्येक गांव में पांच-पांच युवाओं की टीम तैयार की है। यह टीम गांव में ड्रेनेज, सॉलिड वेस्ट, सेनीटेशन, ग्राउंड वॉटर रिचार्ज से लेकर वॉटर बॉडी विकसित करने में मदद करेगी। ग्रामीणों को सफाई और ड्रेनेज के बारे में बताया जाएगा। इसमें सभी काम गांव वाले करेंगे और पैसा केंद्र सरकार से मिलेगा।

ड्रोन से लिया व्यू, मानीटरिंग करेगा आईआईटी

चुने पांच गांव में आईआईटी ने काम शुरू कर दिया है। टीम ने डा.अभिषेक गौड़ के नेतृत्व में रमेलनगर का सर्वे ड्रोन के जरिए पूरा कर लिया है। वहां रहने वाले लोगों की वास्तविक संख्या के साथ ही शौचालय, गंगा में जा रही गंदगी, आने वाले पानी और वर्तमान स्थिति को देखा है। अब बचे चार गांव की रिपोर्ट तैयार की जा रही है। वहीं, नमामि गंगे प्रोजेक्ट के अंदर 65 गांवों को आदर्श बनाने की कमान आईआईटी कानपुर में चल रहे गंगा रिवर साइंस सेंटर को दी गई है। एमओयू साइन हुआ है।

नजीर बनेंगे 65 गांव

गंगा सफाई के लिए चुने गए 65 आदर्श गांव पूरे देश के लिए नजीर बनेंगे। इनके डिजाइन को देखकर पूरे देश में गंगा किनारे बसे गांवों को साफ किया जाएगा। इससे ग्रामीणों का जीवन बेहतर होगा। शुरुआत एनआईटी उत्तराखंड से होगी। फिर आईआईटी रुड़की, आईआईटी दिल्ली, एएमयू, आईआईटी कानपुर, एनआईटी इलाहाबाद, आईआईटी बीएचयू, आईआईटी पटना आदि काम करेंगे।

बोले जिम्मेदार

तीन वर्ष में चुने गए पांच-पांच गांवों को आदर्श विलेज के रूप में तैयार करना है। 65 गांव देश में नजीर होंगे। गंगा किनारे सटे सभी गांवों को आदर्श बनाया जाएगा। गंगा साफ होगी और गांवों में अव्यवस्था दूर होंगी।
-प्रो. विनोद तारे,कोआर्डिनेटर गंगा रिवर बेसिन अथॉरिटी

हिन्दुस्तान 18-07-2016

आईआईटी में टीचर्स अवार्ड प्रक्रिया शुरू

कानपुर। आईआईटी में टीचर्स अवार्ड-2016 की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके लिए आईआईटी प्रशासन ने बेहतर शिक्षण करने वाले प्रोफेसरों से आवेदन मांगा है। आईआईटी के डीन फैकल्टी अफेसर्य के मुरलीधर ने बताया कि 31 जुलाई आवेदन का आखिरी दिन है। आईआईटी में पांच वर्ष बिता चुकी फैकल्टी का ही आवेदन मान्य होगा। टीचर्स अवार्ड-2016 5 सितंबर को दिया जाएगा।

हिन्दुस्तान 18-07-2016

सीट एलॉटमेंट के बाद प्रवेश न लेने पर जेईई एडवांस देने का नहीं मिलेगा मौका

सीट छोड़ने का आज है आखिरी दिन

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

आईआईटी में मनचाही सीट न मिलने के इंतजार में बैठे छात्र-छात्राओं को अगर प्रवेश न लेना हो तो वह सीट को विड्रा कर दें। सोमवार को पांचवीं काउंसिलिंग में आखिरी मौका है। अगर सोमवार तक सीट विड्रा नहीं की और प्रवेश भी नहीं लिया तो छात्र अगले वर्ष जेईई एडवांस की परीक्षा नहीं दे सकेंगे।

रविवार को जारी ब्योरे में आईआईटी और एनआईटी में प्रवेश को अभी भी 186 सीटें बची हुई हैं। दो सीटें आईआईटी रुड़की के आर्किटेक्चर एससी वर्ग में बची हुई है। अब सोमवार से पांचवीं काउंसिलिंग शुरू होगी। आईआईटी जेईई वाइस चेयरमैन प्रो.एके मित्रा ने बताया कि छात्र सोमवार तक सीट विड्रा कर सकते हैं। फीस भी वापस हो जाएगी। प्रवेश न लेने पर उसको अगले वर्ष जेईई एडवांस देने का मौका नहीं मिलेगा।

यूपी कैटेट मास्टर्स में 370 में आए 60 छात्र

यूपी कैटेट एमएससी एग्रीकल्चर की आखिरी काउंसिलिंग सोमवार को होनी है। इसके लिए रविवार को सीएसए कैलाश भवन में रिपोर्टिंग के लिए 370 छात्र-छात्राओं को बुलाया गया था। देर शाम तक सिर्फ 60 छात्र-छात्राओं ने ही रिपोर्टिंग की थी। अब सोमवार को इन्हीं 60 छात्र-छात्राओं की काउंसिलिंग करके प्रवेश दिया जाएगा। 25 और 26 जुलाई को स्पेशल काउंसिलिंग होगी।

तीसरी काउंसिलिंग रिजल्ट

एकेटीयू के यूपीएसईई की तीसरी काउंसिलिंग का रिजल्ट सोमवार को आएगा। इसकी तैयारी एकेटीयू रविवार को करता रहा है। अभी तक दो काउंसिलिंग में सिर्फ आठ हजार छात्र-छात्राओं ने ही सीट को लॉक किया है जबकि पांच हजार छात्र-छात्राएं सीट छोड़ चुके हैं। तीसरी काउंसिलिंग से एकेटीयू को उम्मीदे हैं।

आज जमा करें फीस

पॉलीटेक्निक प्रवेश के लिए चल रही दूसरी काउंसिलिंग की फीस जमा करने का सोमवार को आखिरी दिन है। परिषद के सचिव एफआर खान ने बताया कि दूसरी काउंसिलिंग के लिए 19 हजार सीटें आवंटित की गई है। इसमें शनिवार तक 2500 ने फीस जमा कर दी है।

हिन्दुस्तान 18-07-2016

आईआईटी निदेशक को मिला एल्मुनस अवार्ड

कानपुर। आईआईटी कानपुर के निदेशक प्रो. इंद्रनील मन्ना को एल्मुनस अवार्ड-2016 दिया गया है। उनको इस पुरस्कार से आईआईटी खड़गपुर ने सम्मानित किया है। इससे आईआईटी प्रशासन में खुशी की लहर है। वहीं डा.जे रामकुमार को यंग एल्युमिनाई एचीवमेंट अवार्ड के लिए चुना गया है। यह अवार्ड उनको एनआईटी त्रिरची ने दिया है।

हिन्दुस्तान 18-07-2016

Breaking boundaries, UAE girl lands at IIT-K

Abhinav Malhotra | TNN

Kanpur: Among those who have taken admission in different postgraduate courses at IIT-Kanpur is **Afifah** from Mussafah, an industrial town in the southwest of Abu Dhabi in United Arab Emirates (UAE). Afifah had an inclination towards studies since her school days. Seeing her dedication towards studies, her parents allowed her for pursuing higher studies. To achieve her goal, Afifah headed towards India six years back after completing her class XII from Abu Dhabi.

After completing her graduation (B.Arch from Calicut University), this year Afifah cleared the GATE (Graduate Aptitude Test In Engineering) by scoring AIR 50 to seek admission in the Master of Design (MDES) at IIT-Kanpur.

On her arrival at IIT-Kanpur on Saturday, Afifah was given a grand welcome by the IIT faculty members and the students. So far, Afifah is the only foreign student to have come to IIT-K this year.

More foreign students may come to IIT-Kanpur, probably from the neighbouring countries, for taking admission in undergraduate courses.

But the journey for Afifah in the field of academics has never been a cakewalk. She said that at her native place not much importance is given to education of girl child.

"Girls in my locality are not allowed to take education. in such a scenario, my parents supported me the most because they know the importance of education." Afifah said. Back in Mussafah, Afifah was a motivational leader for the children. She used to inspire them to choose education and to make a career.

"My husband has supported me in my endeavour to study. He is also an engineer and realises the importance of education", he added. Afifah said that she has been out of her country for the past six years to realise the dream of her father.

She also said that after completing her MDES course from IIT-Kanpur she would go back to UAE and pursue her career there.

The Times of India 18-07-2016